AGRAWAL EXAMCART

Paper Pakka Fasega!

VOLUME 5

CTET

हिन्दी भाषा

(पेपर 1 और 2)

1900+

अध्यायवार वस्तुनिष्ठ प्रश्न

(वर्ष 2011 से 2022 तक)

ATTENTION!

इन प्रश्नों को ignore मत करना !

यह CTET की विगत परीक्षाओं में पूछे गए महत्वपूर्ण प्रश्नों का अद्भुत संकलन है जो आगामी परीक्षा में ज़रूर फंसेंगे।

Bilingual

Chapter-wise Solved papers

Code	Price	Pages	ISBN
CB1008	₹ 199	208	978-93-5561-445-2

अध्याय 2

अपठित पद्यांश

निर्देश (प्रश्न संख्या 1 से 6 तक)

नीचे दिए गए पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर सबसे सटीक विकल्प का चयन कीजिए–

यह जो छोटी–सी दुनिया हमें मिली है सच है, सुंदर है और असह्य भी–यही सम्हाले नहीं सम्हलती है यही भरी है, इतने हर्ष से, यही द्रवित है इतने विषाद से। अपने बगल में टुकुर–टुकुर ताकती गिलहरी से कहा फूल ने, एक बुढ़िया अपनी गुदड़ी से निकाल कर एक तोता खाया फल अपनी नातिन को देते हुए यही बोली।

[CTET (6 to 8) (Lang. 1) 30.12.2021]

1. पद्यांश के अनुसार दुनिया कैसी नहीं है–

(A) सुंदर (B) छोटी
(C) सह्य (D) असह्य

2. दुनिया को असह्य क्यों कहा गया होगा?

(A) छोटी होने के कारण
(B) दु:खों के कारण
(C) भुखमरी के कारण
(D) गरीबी के कारण

3. दुनिया के सच, सुंदर और असह्य होने की बात किसने किससे कही?

(A) नातिन ने दादी से
(B) नातिन ने नानी से
(C) दादी ने नातिन से
(D) नानी ने नातिन से

4. किन शब्दों के माध्यम से दुनिया के सुख–दुखों की ओर संकेत किया गया है?

(A) हर्ष–विषाद (B) सुंदर–असह्य
(C) सच–सुंदर (D) असह्य सुंदर

5. 'टुकुर–टुकुर' .... का उदाहरण है।

(A) समानार्थी शब्द–युग्म का
(B) पुनरुक्ति का
(C) पुनरुक्त शब्द–युग्म का
(D) विपरीतार्थी शब्द–युग्म का

6. 'सच' का विलोम शब्द है–

(A) असत्य (B) झूठ
(C) पाप (D) असच

निर्देश (प्रश्न संख्या 7 से 12 तक)

निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

राजा वसंत, वर्षा ऋतुओं की रानी,
लेकिन, दोनों की कितनी भिन्न कहानी,
राजा के मुख में हँसी, कंठ में माला,
रानी का अंतर विकल्प, दृगों में पानी।
डोलती सुरभि राजा – घर कोने–कोने,
परियाँ सेवा में खड़ी सजाकर दोने।
खोले अलकें रानी व्याकुल–सी आई,
उमड़ी, जानें क्या व्यथा, लगी वह रोने ।
रानी, रोओं, पोंछो न अश्रु अंचल से,
राजा अबोध खेले कचनार–कमल से।
राजा के मन में कैसे कुसुम खिलेंगे,
सींचो न धरा यदि तुम आँसू के जल से ?

[CTET (6 to 8) (Lang. 1) 04.01.2022]

7. इस काव्यांश में किन दो ऋतुओं की बात कही गयी है?

(A) शिशिर और वर्षा ऋतु
(B) वर्षा और हेमंत ऋतु
(C) वसंत और वर्षा ऋतु
(D) हेमंत और वसंत ऋतु

8. काव्यांश की किस पंक्ति से पता चलता है कि वसंत ऋतु में चारों ओर सुगंध व्याप्त है?

(A) रानी का अंतर विकल, दृगों में पानी।
(B) खोले अलकें रानी व्याकुल–सी आयी,
(C) डोलती सुरभि राजा घर कोने–कोने,
(D) परियाँ सेवा में खड़ी सजाकर दोने।

9. 'दृगों में पानी' दृगों का अर्थ नेत्र है।

ऋतुओं की रानी वर्षा के दृग कौन हो सकते हैं?

(A) नक्षत्र (B) आकाश
(C) मेघ (D) चन्द्रमा

10. वसंत ऋतु में फूलों का खिलना संभव नहीं होगा, यदि

(A) उमड़ी, जानें क्या व्यथा, लगी वह रोने
(B) डोलती सुरभि राजा घर कोने–कोने।
(C) राजा अबोध खेलें कचनार–कमल से।
(D) सींचो न धरा यदि तुम आँसू के जल से।

11. किस विकल्प में सभी शब्द 'कुसुम' के पर्यायवाची हैं?

(A) सुमन, प्रसून, पुष्प
(C) पादप, सुमन, दूर्वा
(B) पुष्प, मंजरी, लता
(D) प्रसून, वट, सुमन

12. 'राजा अबोध खेलें कचनार–कमल से।' पंक्ति का भाव है–

(A) चारों ओर नाना प्रकार के फूलों की छटा व्याप्त है।
(B) कचनार व कमल के फूलों से राजा खेल रहे हैं।
(C) चारों ओर खिले फूलों से राजा खेलना चाहते हैं।
(D) कचनार व कमल की सुगंध चारों ओर व्याप्त हैं।

निर्देश (प्रश्न संख्या 13 से 19 तक)

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

अक्षरों की खोज के साथ एक नए युग की शुरुआत हुई। आदमी अपने विचार और अपने हिसाब–किताब को लिखकर रखने लगा। तब से मानव को सभ्य कहा जाने लगा। आदमी ने जब से लिखना शुरू किया तब से इतिहास आरम्भ हुआ। किसी भी कौम या देश का इतिहास तब से शुरू होता है जब से आदमी के लिखे हुए लेख मिलने लग जाते हैं। इस प्रकार इतिहास को शुरू हुए मुश्किल से छह हजार साल हुए हैं। उसके पहले के काल को प्रागैतिहासिक काल यानी इतिहास के पहले का काल कहते है। अतः हम देखते हैं कि यदि आदमी अक्षरों की खोज नहीं करता तो आज हम इतिहास को न जान पाते। हम यह न जान पाते कि पिछले कुछ हजार सालों में आदमी किस प्रकार रहता था, क्या क्या सोचता था। कौन–कौन राजा हुए इत्यादि। अक्षरों की खोज मनुष्य की सबसे बड़ी खोज है। अक्षरों की खोज करने के बाद ही मनुष्य अपने विचारों को लिखकर रखने लगा। इस प्रकार, एक पीढ़ी के ज्ञान का इस्तेमाल दूसरी पीढ़ी करने लगी। अक्षरों की खोज करने के बाद पिछले छः हजार सालों में मानव जाति का तेजी से विकास हुआ। यह महत्त्व है अक्षरों का और उनसे बनी हुई लिपियों का। अतः हम सबको अक्षरों की कहानी मालूम होनी चाहिए।

[CTET (6 to 8) (Lang. 2) 08.01.2022]

13. गद्यांश के आधार पर मानव को सभ्य कहा जाने लगा–

(A) विचारों और हिसाब–किताब के लेखन के साथ
(B) अक्षरों की खोज के साथ
(C) प्रागैतिहासिक काल से
(D) मानव जाति की शुरुआत से

14. एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी का ज्ञान सम्भव हुआ–
(A) विचारों को लिखने के कारण
(B) अक्षरों की खोज के कारण
(C) सभ्यता के विकास के कारण
(D) जाति के इतिहास के कारण

15. प्रागैतिहासिक काल का अर्थ है–
(A) इतिहास के पहले का काल
(B) इतिहास के बाद का काल
(C) इतिहास के साथ साथ का समय
(D) इतिहास काल

16. अक्षरों और लिपियों का इतिहास .... पुराना है।
(A) 4000 वर्ष (B) 5000 वर्ष
(C) 6000 वर्ष (D) 7000 वर्ष

17. 'इत्यादि' का संधि विच्छेद है–
(A) इ + आदि (B) इति + आदि
(C) इति + अदि (D) इत्या + अदि

18. मनुष्य की सबसे बड़ी खोज है–
(A) शब्द (B) अक्षर
(C) कहानी (D) विचार

19. अगर अक्षरों का विकास नहीं होता तो–
(A) लिपि का विकास नहीं होता
(B) मनुष्य का विकास नहीं होता
(C) इतिहास की जानकारी नहीं मिलती
(D) पीढ़ियों का विकास नहीं होता

निर्देश (प्रश्न संख्या 20 से 25 तक)

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए।

नन्हे–नन्हे दीप ! नहीं तुम हार मानना
अँधियारे से घिरी धरा को ज्योतिमय करते रहना।
दिख जाए यदि कहीं बटोही भूला–भटका–
उसको राह दिखाना देखो भूल न जाना,
घोर अँधेरी रातों से तुम सबको दूर भगाना,
पुण्यकाम यह बहुत कठिन चाहे लगता हो,
कठिनाई के बीच सदा तुम खिल–खिल हँसते रहना,
अँधकार में तुम बन जाना सूर्य, सूर्य–सा जलते रहना।

[CTET (6 to 8) (Lang. 1) 21.12.2021]

20. कविता किसे संबोधित है?
(A) सूरज को (B) दीये को
(C) ज्योति को (D) बटोही को

21. "अंधकार में तुम बन जाना सूर्य, सूर्य–सा जलते रहना" उक्त पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार है–
(A) अनुप्रास अतिशयोक्ति
(B) अनुप्रास यमक
(C) यमक अनुप्रास
(D) अनुप्रास उपमा

22. किस काम को करने का आग्रह नहीं किया गया है?
(A) अँधेरी धरती को ज्योतिमय करना
(B) रातों का अँधेरा दूर करना
(C) कठिनाई में भी मुस्कुराते रहना
(D) अँधकार में सूर्य को विश्राम करने देना

23. 'नन्हे–नन्हे दीप!' पद किस कारक में है?
(A) संबंध कारक
(B) संबोधन कारक
(C) अधिकारण कारक
(D) विस्मय कारक

24. 'अँधियारा और अंधकार' शब्द हैं परस्पर–
(A) विपरीतार्थी (B) समानार्थी
(C) एकार्थी (D) अनेकार्थी

25. 'बहुत कठिन चाहे लगता हो'
किस काम के लिए ऐसा कहा गया है ?
(A) जलते रहने का पुण्यकाम
(B) कठिनाइयों में भी हँसते रहना
(C) सूर्य के समान चमकना
(D) राही को राह दिखाना

निर्देश (प्रश्न संख्या 26 से 31 तक)

निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनिए–

बज रहा है शंख रण–आह्वान का
बढ़ सिपाही के सदृश बलिदान कर,
आँख में लेकर चमक संकल्प की,
ले हृदय उत्साह वाणी में प्रबल।
तू भुजा में नित अमित बल–शक्ति ले,
और संशयहीन चिंतन ले सबल।
बढ़ अरे ओ देश के प्यारे तरूण,
सिंह–सम पाषाण सीना तानकर।।
ओ नए युग के युवक नव शक्तिमय,
पथ अँधेरे से ढका सब ओर है।
सूर्य– सम दीपित उठाकर भाल को,
देख कैसा सभ्यता का भोर है।
पार्थ के सम आँख के प्रतिबिंब से,
ओ तरुण उठ लक्ष्य का संधान कर।।
हस्तगत करके विजय सब ओर बढ़,
शत्रु के अभिमान–मंडित शीश चढ़।
मुक्ति के संघर्ष में कर दिग्विजय,
आज फिर नव एकता के पाठ पढ़।
खटखटाती द्वार है युग–चेतना,
तोड़ दे ये लौह–पट तू आनकर ।।

[CTET (6 to 8) (Lang. 1) 22.12.2021]

26. कविता किसे संबोधित है?
(A) सिपाही को (B) नवयुवकों को
(C) भारतीयों को (D) विद्यार्थियों को

27. कविता के अनुसार निम्नलिखित का उपयुक्त मिलान कीजिए–

(a) वाणी	(i) चमक
(b) भुजा	(ii) उत्साह
(c) चिंतन	(iii) सबल
(d) आँख	(iv) शक्ति

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(B)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(C)	(iv)	(i)	(iii)	(iv)
(D)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)

28. युवकों को सिंह के समान आगे बढ़ने को कहा गया है, क्योंकि सिंह–
(A) लक्ष्य की ओर चुपचाप बढ़ता है
(B) छिपकर हमला करता है
(C) निडर होकर आक्रमण करता है
(D) पशुओं में सबसे शक्तिशाली होता है।

29. 'पार्थ के सम आँख के प्रतिबिंब से'
कथन किस पौराणिक कथा को संकेत करता है?
(A) कृष्ण का अर्जुन को गीता सुनाना
(B) अर्जुन द्वारा मछली की आँख में तीर मारना
(C) अर्जुन के रथ को कृष्ण द्वारा हाँकना
(D) अर्जुन का तीरंदाजी सीखना

30. 'तोड़ दे ये लौह–पट तू आनकर'
'लौह–पट' का भावार्थ होगा–
(A) कठोर लोहा
(B) कठोर वस्त्र
(C) कठोर बाधाएँ
(D) कठोर दरवाजे

31. नए युग के युवक की क्या विशेषता बताई गई है?
(A) वह अँधेरे में बढ़ सकता है
(B) वह लक्ष्य पाना जानता है
(C) वह शक्तिशाली है
(D) वह नई शक्ति से संपन्न है

निर्देश (प्रश्न संख्या 32 से 37 तक)

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

पंखों से रे, फैले–फैले ताड़ों के दल,
लंबी–लंबी अंगुलियाँ हैं, चौड़े करतल।
तड़–तड़ पड़ती धार वारि की उन पर चंचल,
टप–टप झरती कर मुख से जल बूँदें झलमल॥
नाच रहे पागल हो ताली दे–दे चल–दल,
झूम–झूम सिर नीम हिलाती सुख से विह्वल।
हरसिंगार झरते बेला–कलि बढ़ती प्रतिफल,
हँसमुख हरियाली में खग कुल गाते मंगल॥

[CTET (1 to 5) (Lang. 1) 28.12.2021]

32. बारिश की बूँदे किस पर पड़ रही हैं?
(A) वृक्षों पर (B) धरा पर
(C) ताड़ के पत्तों पर (D) हाथों पर

33. कवि ने किसका चित्रण किया है?
(A) बरसते बादल का
(B) सावन का
(C) पेड़ों का
(D) हरियाली का

34. कविता में पक्षियों के आनंदित होकर गीत गाने के लिए किस पद का प्रयोग किया गया है?
(A) पंखों से रे फैले–फैले
(B) ताली दे–दे चल–दल
(C) खगकुल गाते मंगल
(D) हँसमुख हरियाली में खगकुल

35. आनंदित होकर कौन झूम रहा है?
(A) नीम (B) पीपल
(C) बेला (D) हरसिंगार

36. 'तड़–तड़' किस प्रकार का शब्द है?
(A) यौगिक (B) योगरूढ़
(C) संयुक्त (D) पुनरुक्त

37. 'वारि' है–
(A) संज्ञा (B) सर्वनाम
(C) विशेषण (D) तद्भव शब्द

निर्देश (प्रश्न संख्या 38 से 43 तक)

नीचे दिए गए पद्यांश को पढ़ने के उपरांत सबसे सटीक विकल्प का चयन कीजिए—

तन जिसका हो मन और आत्मा मेरा है,
चिन्ता नहीं बाहर उजाला या अँधेरा है।
चलना मुझे है, बस अंत तक चलना,
गिरना ही मुख्य नहीं, मुख्य है सँभलना।
गिरना क्या उसका उठा ही नहीं जो कभी
मैं ही तो उठा था आप गिरता हूँ जो अभी।
फिर भी उठूँगा और बढ़के रहूँगा मैं
नर हूँ, पुरुष हूँ मैं, चढ़के रहूँगा मैं।

[CTET (6 to 8) (Lang. 1) 29.12.2021]

38. 'कवि का मुख्य भाव है—
(A) दृढ़ निश्चयात्मकता का
(B) साहसी होने का
(C) प्राण साधने का
(D) चढ़ाई करने का

39. कवि के अनुसार जीवन में सबसे जरूरी बात है.
(A) गिरना (B) सँभलना
(C) उजाला (D) चिन्ता

40. 'अँधेरा' प्रतीक है–
(A) कठिनाइयों का (B) घोरनिशा का
(C) गिर जाने का (D) अविश्वास का

41. 'चिंता' शब्द से बनने वाला विशेषण है–
(A) चिंतन (B) चिंतित
(C) चेष्टा (D) चिंतापरक

42. निम्न में से भिन्न शब्द है–
(A) नर (B) पुरुष
(C) आत्मा (D) गिरना

43. 'अंत तक चलने' से क्या तात्पर्य है?
(A) लक्ष्य प्राप्ति तक चलना
(B) दूर तक चलना
(C) सड़क पर चलना
(D) उद्देश्य के साथ चलना

निर्देश (प्रश्न संख्या 44 से 49 तक)

नीचे दिए गए पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर सबसे सटीक विकल्प का चयन कीजिए—

पालने के सिरहाने गायी जाने वाली लोरियों से लेकर
रेडियो से आने वाले समाचारों तक
हर जगह छिपे हुए असत्य पर विजय पाना
चाहे वह असत्य हृदय में हो या किताबों में
या शोर–गुल भरी सड़कों पर
कितना कल्पनातीत आनंद है ज्ञान में
यह जान लेने में
कि समय के कदम
अनिवार्य रूप से किधर बढ़ते रहेंगे
और अब भविष्य में क्या आनेवाला है।

[CTET (1 to 5) (Lang. 1) 30.12.2021]

44. कवि के अनुसार सर्वाधिक महत्वपूर्ण है
(A) आनंद (B) ज्ञान
(C) लोरियाँ (D) समय

45. झूठ कहाँ–कहाँ फैला हुआ है?
(A) गीतों, आनंद में
(B) पुस्तकों, गीतों में
(C) पुस्तकों, भविष्य में
(D) भविष्य, हृदय में

46. 'कल्पनातीत' से तात्पर्य है–
(A) अतीत की कल्पना
(B) काल्पनिकता
(C) कल्पना से पूर्ण
(D) कल्पना से परे

47. कविता के अनुसार सत्य और ज्ञान से–
(A) समय और भविष्य का बोध होता है
(B) समय और भविष्य का बोध नहीं होता है
(C) कल्पनापरक आनंद मिलता है
(D) शोर–गुल कम हो जाता है

48. 'समय' में 'इक' प्रत्यय जोड़ने पर शब्द बनेगा–
(A) समयिक (B) समयीक
(C) समयइक (D) सामयिक

49. किस शब्द में उपसर्ग का प्रयोग हुआ है?
(A) अनिवार्य (B) कल्पनातीत
(C) असत्य (D) भविष्य

निर्देश (प्रश्न संख्या 50 से 55 तक)

दिए गए पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

बीती नहीं यद्यपि अभी तक है, निराशा की निशा
है, किन्तु आशा भी कि होगी दीप्त फिर प्राची दिशा।
महिमा तुम्हारी ही जगत में धन्य आशे! धन्य है,
देखा नहीं कोई कहीं अवलम्ब तुम–सा धन्य है।
आगे तुम्हारे ही भरोसे जी रहे हैं, हम सभी,
सब कुछ गया पर हाय रे! तुमको न छोड़ेंगे कभी।
आगे तुम्हारे ही सहारे टिक रही है, यह मही,
धोखा न दीजो अंत में, विनती हमारी है यही।

50. कविता किसके प्रति संबोधित है?
(1) निशा
(2) आशा
(3) निराशा
(4) पृथ्वी
(A) 1 (B) 2
(C) 3 (D) 4

[CTET (1 to 5) (Lang. 1) 07-01-2022]

51. कवि ने आशा को धन्य क्यों कहा है? क्योंकि–
(1) आशा निराशा में नहीं बदलती है।
(2) आशा सभी के मन में विराजती है।
(3) आशा का सहारा सबसे बड़ा सहारा है।
(4) आशा हर दिशा को प्रकाशित करती है।
(A) 1 (B) 2
(C) 3 (D) 4

[CTET (1 to 5) (Lang. 1) 07-01-2022]

52. निराशा की निशा–
(1) बीत गई है
(2) अभी तक है
(3) दीप्तिमान है
(4) धन्य है
(A) 1 (B) 2
(C) 3 (D) 4

[CTET (1 to 5) (Lang. 1) 07-01-2022]

53. कवि ने आशा के सहारे किसका अस्तित्त्व बने रहने की बात की है?
(1) मनुष्यता
(2) विश्वास
(3) महिमा
(4) धरती
(A) 1 (B) 2
(C) 3 (D) 4

[CTET (1 to 5) (Lang. 1) 07-01-2022]

54. 'निराशा' में उपसर्ग और मूल शब्द हैं–
(1) निर + आशा
(2) निरा + आशा
(3) निर् + आशा
(4) निरा + शा

(A) 1 (B) 2
(C) 3 (D) 4

[CTET (1 to 5) (Lang. 1) 07-01-2022]

55. 'प्राची' का अर्थ है—
(1) परकोटा
(2) पूर्वकल्प
(3) पुरातन
(4) पूरब
(A) 1 (B) 2
(C) 3 (D) 4

[CTET (1 to 5) (Lang. 1) 07-01-2022]

निर्देश प्रश्न संख्या (56 से 61)

नीचे दिए गए पद्यांश को पढ़ने के उपरांत सबसे सटीक विकल्प का चयन कीजिए—

आज जब
पहली बार एक तरह से पहली बार
आया है तुम्हारा खत
जम्मू की किसी कालोनी से
तो लग रहा है
क्यों आया है तुम्हारा खत
बुरी तरह भीगा हुआ, अटा हुआ कुछ–कुछ
आखिर क्यों लिखा है तुमने
कि पता नहीं कभी
फिर हो भी सकेगा कि नहीं
तुम्हारा वही पता, वही ठिकाना
जिस पर
खत लिखने की आदत है मुझे
बड़ा मुश्किल है न
बढ़ती हुई उम्र में, आदत का बदल देना
और आदतें भी जबकि
हमारी बहुत अपनी होकर रही हों।

56. कविता में किसका स्वर प्रमुखता से सुना जा सकता है?
(A) किसी दूसरे के घर में होने की पीड़ा का
(B) घर के अस्त–व्यस्त होने की पीड़ा का
(C) घर वापसी न होने की पीड़ा का
(D) बार–बार स्थानांतरण होने की पीड़ा का

[CTET (1 to 5) (Lang. 1) 03-01-2022]

57. कविता में किस आदत की बात कही गई है?
(A) परिवार के साथ पहाड़ों पर घूमने की
(B) दोस्तों के साथ सैर करने की
(C) प्रतिदिन पत्र लिखने की
(D) पते विशेष पर पत्र लिखने की

[CTET (1 to 5) (Lang. 1) 03-01-2022]

58. कुछ–कुछ शब्द युग्म है—
(A) निरर्थक शब्द युग्म
(B) पुनरुक्त शब्द युग्म
(C) सार्थक शब्द युग्म
(D) साधारण शब्द युग्म

[CTET (1 to 5) (Lang. 1) 03-01-2022]

59. आदतों को बदल देना कठिन क्यों है?
(A) आदतों का प्रभाव जीवन पर नहीं पड़ता
(B) आदतों के कारण सारे कार्य शीघ्र होते हैं
(C) आदतें व्यक्तित्व का अभिन्न हिस्सा होती हैं।
(D) आदतों को कभी बदला नहीं जाता।

[CTET (1 to 5) (Lang. 1) 03-01-2022]

60. कवि के दोस्त कहाँ रहते हैं?
(A) पता नहीं (B) जम्मू में
(C) अनंतनाग में (D) मैदान में

[CTET (1 to 5) (Lang. 1) 03-01-2022]

61. बुरी तरह भीगा हुआ से तात्पर्य है—
(A) चिट्ठी बारिश में भीग गई थी
(B) चिट्ठी में विस्थापन का दर्द लिखा था
(C) चिट्ठी ओस में गीली हो गई थी
(D) चिट्ठी पानी में भीग गई थी

[CTET (1 to 5) (Lang. 1) 03-01-2022]

निर्देश (प्रश्न संख्या 62 से 67 तक)

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए:

बाधाएँ आती हैं, आएँ
घिरें प्रलय की घोर घटाएँ,
पावों के नीचे अंगारे,
सिर पर बरसें यदि ज्वालाएँ,
निज हाथों में हँसते-हँसते,
आग लगा कर जलना होगा।
कदम मिला कर चलना होगा।
हास्य-रुदन में, तूफानों में,
अगर असंख्यक बलिदानों में,
उद्यानों में, वीरानों में,
अपमानों में, सम्मानों में,
उन्नत मस्तक, उभरा सीना,
पीड़ाओं में पलना होगा।
कदम मिलाकर चलना होगा।

62. कविता में व्यक्त भाव........की प्रेरणा देते हैं।
(A) एकता और आगे बढ़ने
(B) एकता और तेज चलने
(C) आगे बढ़ने और तेज चलने
(D) तेज चलने और कर्म करने

[CTET (6 to 8) (Lang. 1) 03-01-2022]

63. जीवन में आने वाली कठिनाइयों की ओर संकेत वाला शब्द नहीं है।
(A) प्रलय (B) अंगारे
(C) वीरानों (D) ज्वालाएँ

[CTET (6 to 8) (Lang. 1) 03-01-2022]

64. कविता में आई पंक्ति 'पीड़ाओं में पलना होगा' का भाव किसकी ओर संकेत करता है?
(A) जीवन की गंभीर समस्याओं की ओर
(B) कभी न समाप्त होनी वाली समस्याओं की ओर
(C) समस्याओं में भी निरंतर कार्य करने की ओर
(D) समस्याओं से होने वाली पीड़ाओं की ओर

[CTET (6 to 8) (Lang. 1) 03-01-2022]

65. सम स्थिति में रहने की प्रेरणा देने वाला अंश है—
(A) अपमानों में, सम्मानों में.....
(B) उन्नत, मस्तक, उभरा सीना.....
(C) निज हाथों में हँसते-हँसते
(D) घिरें प्रलय की घोर घटाएँ

[CTET (6 to 8) (Lang. 1) 03-01-2022]

66. पद्यांश के आधार पर कहा जा सकता है कि कठिनाइयाँ जीवन का हिस्सा है, फिर भी......
(A) सोच-समझकर निर्णय लेना होगा
(B) उन्हें अनदेखा करना उचित है
(C) मिलकर दु:ख दूर करने होंगे
(D) मिलकर काम करना होगा

[CTET (6 to 8) (Lang. 1) 03-01-2022]

67. 'ज्वालाएँ' से तात्पर्य है—
(A) अंगारे (B) विपत्तियाँ
(C) बुराइयाँ (D) रुदन

[CTET (6 to 8) (Lang. 1) 03-01-2022]

निर्देश (प्रश्न संख्या 68 से 73 तक)

दिए गए पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए।

जब बहुत सुबह चिड़ियाँ उठकर,
कुछ गीत खुशी के गाती हैं।
कलियाँ दरवाजे खोल-खोल,
जब झुरमुट से मुसकाती हैं।
खुशूब की लहरें जब घर से,
बाहर आ दौड़ लगाती हैं!!
हे जग के सिरजनहार प्रभो!
तब याद तुम्हारी आती है!!
जब छम-छम बूँदें गिरती हैं,
बिजली चम-चम कर जाती है।
मैदानों में वन-बागों में,
जब हरियाली लहराती है।
जब ठंडी-ठंडी हवा कहीं से,
मस्ती ढोकर लाती है।
हे जग के सिरजनहार प्रभो।
तब याद तुम्हारी आती है!!

68. रचनाकार को प्रभु की याद कब आती है?
(A) घर में खुशियाँ आने पर।
(B) वर्षा में भीगने पर।
(C) किसी आपदा के आने पर।

(D) प्राकृतिक सौन्दर्य देखकर।

[CTET (1 to 5) (Lang. 1) 23-12-2021]

69. पद्यांश में प्रकृति की किस लीला का उल्लेख नहीं है?

(A) कलियों का खिलना।

(B) ओस का गिरना।

(C) हवा का बहना।

(D) चिड़ियों का चहकना।

[CTET (1 to 5) (Lang. 1) 23-12-2021]

70. खुशियों के गीत कौन गा रहा है?

(A) कलियाँ (B) लहरें

(C) चिड़ियाँ (D) हवा

[CTET (1 to 5) (Lang. 1) 23-12-2021]

71. ठंडी हवाएँ अपने साथ क्या लेकर आती हैं?

(A) उल्लास (B) सुगंध

(C) समृद्धि (D) प्रकाश

[CTET (1 to 5) (Lang. 1) 23-12-2021]

72. किस पंक्ति में मानवीकरण अलंकार है?

(A) जब छम-छम बूँदे गिरती हैं।

(B) बिजली चम-चम कर जाती है।

(C) कलियाँ दरवाजे खोल-खोल।

(D) तब याद तुम्हारी आती है।

[CTET (1 to 5) (Lang. 1) 23-12-2021]

73. रचनाकार प्रकृति के सौन्दर्य को देखकर .... है?

(A) संतप्त (B) चमत्कृत

(C) तृप्त (D) अभिशप्त

[CTET (1 to 5) (Lang. 1) 23-12-2021]

निर्देश (प्रश्न संख्या 74 से 79 तक)

निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर दीजिए।

कौन, तुम रूपसि कौन ?
व्योम से उतर रही चुपचाप,
छिपी निज छाया में आप,
सुनहला फैला केश—कलाप
मधुर, मंथर मृदु, मौन!
मूँद अन्धेरों में मधुपालाप
मौन केवल तुम मौन
ग्रीव तिर्यक्, चम्पक द्युति गात,
नयन मुकुलित नतमुख जलजात
देह छवि छाया में दिन-रात,
कहाँ रहती तुम कौन?

74. व्योम से चुपचाप कौन उत्तर रही है ?

(A) तारों की टोली (B) चन्द्रमा की किरणें

(C) वर्षा की बूँदें (D) संध्या

[CTET (6 to 8) (Lang. 1) 23-12-2021]

75. संध्या सुन्दरी के केश कैसे हैं ?

(A) चमकीले (B) घुँघराले

(C) रुपहले (D) सुनहले

[CTET (6 to 8) (Lang. 1) 23-12-2021]

76. "मौन केवल तुम मौन।" प्रस्तुत काव्य पंक्ति में मध्यम पुरुष सर्वनाम है—

(A) मौन (B) तुम

(C) केवल (D) आप

[CTET (6 to 8) (Lang. 1) 23-12-2021]

77. मधुर, मंथर, मौन ये विशेषण हैं—

(A) रात्रि के

(B) रात्रि में चलने वाली वायु के

(C) प्रकृति के

(D) रूपसि के

[CTET (6 to 8) (Lang. 1) 23-12-2021]

78. तिर्यक् शब्द का अर्थ है—

(A) तीखी (B) नुकीली

(C) टेढ़ी (D) बाँकी।

[CTET (6 to 8) (Lang. 1) 23-12-2021]

79. कविता में कथित 'नयन' का सही विशेषण है—

(A) मुकुलित (B) जलजात

(C) प्रफुल्लित (D) लज्जित

[CTET (6 to 8) (Lang. 1) 23-12-2021]

निर्देश (प्रश्न संख्या 80 से 85 तक)

निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनिए:

साकार, दिव्य गौरव विराट !
पौरुष के पुंजीभूत ज्वाल !
मेरी जननी के हिमकिरीट !
मेरे भारत के दिव्य भाल !
मेरे नगपति ! मेरे विशाल !

युग-युग अजेय, निर्बंध, मुक्त,
युग-युग गर्वोन्नत नित महान,
निस्सीम व्योम में तान रहे,
युग से किस महिमा का वितान ?

कैसी अखंड यह चिर समाधि ?
यतिवर ! कैसा यह अमर ध्यान ?
तू महाशून्य में खोज रहा
किस जटिल समस्या का निदान ?

उलझन का कैसा विषम—जाल
मेरे नगपति ! मेरे विशाल !

[CTET (1 to 5) (Lang. 1) 08-12-2019]

80. 'नगपति' का विग्रह और समास होगा –

(A) नगों (पर्वतों) का पति है जो – कर्मधारय

(B) नगों (पर्वतों) का पति – तत्पुरुष

(C) नगों का पति है जो, ऐसा – बहुव्रीहि

(D) रत्नों (नग) का पति – तत्पुरुष

81. किस पंक्ति में कहा गया है कि हिमालय शक्ति की ज्वालाओं का ढेर है ?

(A) मेरे भारत के दिव्य भाल

(B) पौरुष के पुंजीभूत ज्वाल

(C) साकार, दिव्य गौरव विराट

(D) युग–युग अजेय, निर्बंध, मुक्त

82. 'जिसे जीता न जा सके' उसके लिए कविता में कौन–सा शब्द प्रयुक्त हुआ है ?

(A) अखंड (B) अमर

(C) दिव्य (D) अजेय

83. 'निस्सीम' शब्द में कौन–सी संधि है ?

(A) व्यंजन (B) विसर्ग

(C) दीर्घ (D) स्वर

84. हिमालय को 'यतिवर'! कहकर संबोधित किया गया है, क्योंकि वह–

(A) पर्वतों का स्वामी है।

(B) समाधि में लीन है।

(C) समस्या का हल ढूँढ रहा है।

(D) भारत का प्रहरी है।

85. 'हिमकिरीट' का आशय है–

(A) बर्फ का मुकुट

(B) चाँदी का मुकुट

(C) स्वर्णिम मुकुट

(D) ठंडा मुकुट

निर्देश (प्रश्न संख्या 86 से 91 तक)

नीचे दी कई कविता की पंक्तियों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए।

पूर्व चलने के बटोही,
बाट की पहचान कर ले।
है अनिश्चित किस जगह पर,
सरित गिरि गह्वर मिलेंगे
है अनिश्चित किस जगह पर
बाग वन सुंदर मिलेंगे।
किस जगह यात्रा खत्म हो
जाएगी यह भी अनिश्चित
है अनिश्चित कब सुमन कब
कंटकों के शर मिलेंगे।
कौन सहसा छू जाएँगे
मिलेंगे कौन सहसा
आ पड़े कुछ भी रुकेगा
तू न ऐसी आन कर ले।
पूर्व चलने के बटोही,
बाट की पहचान कर ले।

[CTET (1 to 5) (Lang. 1) 09-12-2018]

86. कविता की पंक्तियों में यात्रा की किस विशेषता की ओर संकेत किया गया है ?

(A) अनिश्चितता की ओर

(B) साहस की ओर

(C) कठिनाइयों की ओर

(D) सुखों की ओर

87. कविता में आए 'सुमन और कंटक' किस भाव के प्रतीक हैं ?
(A) सुख और दुःख (B) प्रिय और अप्रिय
(C) फूल और काँटे (D) बाग और वन

88. कविता की पंक्तियों में कवि व्यक्ति को किस बात की प्रेरणा दे रहा है ?
(A) गहरी नदियों से न डरने की
(B) हर स्थिति में आगे बढ़ने की
(C) हर स्थिति में साहस दिखाने की
(D) पर्वतों को देखकर न डरने की

89. इस जीवन यात्रा में–
(A) सब ओर मुश्किलें हैं
(B) सब ओर सुख हैं
(C) कुछ भी निश्चित नहीं है
(D) सब कुछ निश्चित है

90. नीचे दिए गए शब्दों में से 'सरित' का समानार्थी शब्द कौन सा नहीं है ?
(A) नद (B) प्रवाह
(C) तटिनी (D) जयमाला

91. 'अनिश्चित' शब्द में कौन सा प्रत्यय आ सकता है?
(A) ती (B) ता
(C) ते (D) ति

निर्देश (प्रश्न संख्या 92 से 97 तक)

नीचे दिए गए पद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों में सबसे उचित विकल्प चुनिए।

चीटियाँ ईर्ष्यालु नहीं होती
दौड़ती-भागती एक-दूसरे को संदेश पहुँचातीं
जीवन को परखती पहुँचती हैं वहाँ,
जहाँ कोई नहीं पहुँचा कभी चीटियों से पहले।
संकेतों में करती हैं, वे शब्द संधान
रास्ता नहीं भूलतीं कभी स्मृति में रखती हैं संजोकर
दोस्त और दुश्मन के चेहरे बिखरती हैं कभी-कभार वे मगर हर बार
नये सिरे से टटोलती हैं वे पूर्वजों द्वारा छोड़ी गई गन्ध
फिर से एकजुट होते हुए।

CTET (Lang.-I) 22-02-2015 (I-V)

92. चीटियाँ आपस में बातचीत कैसे करती हैं ?
(A) छूकर (B) बोलकर
(C) संदेशों से (D) संकेतों से

93. 'ईर्ष्यालु' किसे कहा जाता है ?
(A) दूसरों से जलने वाला
(B) सबसे घृणा करने वाला
(C) पाने की इच्छा करने वाला
(D) कुछ भी न चाहने वाला

94. चींटियों के स्वभाव में नहीं है :
(A) ईर्ष्या करना
(B) संदेश पहुँचाना
(C) दौड़-भाग करना
(D) जीवन को परखना

95. बिखरी हुई चींटियाँ फिर से एकजुट कैसे होती हैं?
(A) पूर्वजों की गन्ध से
(B) रास्ता टटोलने से
(C) मित्रों के सहयोग से
(D) शत्रुओं की चुनौती से

96. मित्र और शत्रु के चेहरों को चीटियाँ :
(A) पहचानती नहीं हैं
(B) बिखेर देती हैं
(C) भूल जाती हैं
(D) याद रखती हैं

97. काव्यांश में 'मगर' का अर्थ है :
(A) केवल (B) परन्तु
(C) मगरमच्छ (D) घड़ियाल

निर्देश (प्रश्न संख्या 98 से 103 तक)

नीचे दी गई काव्य पंक्तियों को पढ़कर सबसे उचित विकल्प का चयन कीजिए।

नहीं झुका करते जो दुनिया से
करने को समझौता,
ऊँचे से ऊँचे सपनों को
देते रहते जो न्योता,
दूर देखती जिनकी पैनी
आँख भविष्यत् का तक चीर,
मैं हूँ उनके साथ खड़ी
जो सीधी रखते अपनी रीढ़।

[CTET (1 to 5) (Lang. 1) 16-02-2014]

98. कविता की पंक्तियों के अनुसार कविता किसके पक्ष में खड़ी है?
(A) जो स्वाभिमानी, साहसी और निर्भीक हैं
(B) जो केवल सपनों में खोए रहते हैं
(C) जो उजाला फैलाते हैं
(D) जो समझौता करके शांति फैलाते हैं

99. व्यक्ति की दृष्टि कैसी होनी चाहिए?
(A) अंधकार को चीरने वाली
(B) दूर की चीज़ों को साफ–साफ देखने वाली
(C) दूरदर्शिता से लैस
(D) भविष्य का अँधेरा दूर करने वाली

100. ऊँचे से ऊँचे सपनों को निमंत्रण देने का भाव है–
(A) ऊँचे सपनों को आमंत्रित करना
(B) उच्च कोटि के स्वप्न देखना और उन्हें साकार करने का प्रयास करना
(C) स्वप्नशील रहना
(D) सपनों को आमंत्रित करना

101. 'तम' शब्द का पर्याय है–
(A) यामिनी (B) रात
(C) अंधकार (D) निशा

102. "नहीं झुका करते जो दुनिया से" पंक्ति में किसके सामने न झुकने की बात की गई है?
(A) विषम परिस्थितियों और अन्याय के सामने
(B) दुनिया के सभी देशों के सामने
(C) अन्यायी राजाओं के सामने
(D) दुनिया के व्यक्तियों के सामने

103. 'सीधी रीढ़' का आशय है–
(A) आत्मनिर्भर होना
(B) सीधी बात कहना
(C) स्वाभिमानी और स्वावलम्बी होना
(D) अभिमानी होना

निर्देश (प्रश्न संख्या 104 से 109 तक)

कविता को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों में सबसे उचित विकल्प चुनिए।

हरा–भरा हो जीवन अपना स्वस्थ रहे संसार,
नदियाँ, पर्वत, हवा, पेड़ से आती है बहार।
बचपन, कोमल तन–मन लेकर,
आए अनुपम जीवन लेकर,
जग से तुम और तुमसे है ये प्यारा संसार,
हरा–भरा हो जीवन अपना स्वस्थ रहे संसार,
वृंद–लताएँ, पौधे, डाली
चारों ओर भरे हरियाली
मन में जगे उमंग यही है सृष्टि का उपहार,
हरा–भरा हो जीवन अपना स्वस्थ रहे संसार,
मुश्किल से मिलता है जीवन,
हम सब इसे बनाएँ चंदन
पर्यावरण सुरक्षित न हो तो है सब बेकार
हरा–भरा हो जीवन अपना स्वस्थ रहे संसार

CTET (Lang.-I) 29-01-2012 (I-V)

104. 'हरा–भरा जीवन' का अर्थ है–
(A) खुशियों से परिपूर्ण जीवन
(B) पेड़ पौधों से घिरा जीवन
(C) हरे रंगों से भरा जीवन
(D) हरियाली–युक्त जीवन

105. कौन–सी चीजें बहार लेकर आती हैं?
(A) पेड़ों की हवा
(B) नदियों की आवाज
(C) पहाड़ों की चोटियाँ
(D) समस्त प्राकृतिक उपादान

106. कवि ने सृष्टि का उपहार किसे कहा है?
(A) पौधे व डालियाँ
(B) वृंद–लताएँ
(C) हरा–भरा जीवन
(D) प्राकृतिक सुंदरता और उससे उत्पन्न होने वाली खुशी

107. कवि यह संदेश देना चाहता है कि–
(A) चंदन के पेड़ लगाने चाहिए

(B) जीवन में सब बेकार है
(C) पर्यावरण–संरक्षण में ही जीवन संभव है
(D) प्रकृति में पेड़–पौधे, नदियाँ, पर्वत शामिल हैं

108. 'जग से तुम और तुम से है ये प्यारा संसार' पंक्ति के माध्यम से कवि कहना चाहता है कि–
(A) संसार का अस्तित्व व्यक्तियों से स्वतंत्र है
(B) व्यक्ति और संसार दोनों का अस्तित्व एक–दूसरे पर निर्भर करता है
(C) संसार चलाने के लिए व्यक्तियों की आवश्यकता होती है
(D) व्यक्ति का अस्तित्व संसार से स्वतंत्र है

109. 'अनुपम' से अभिप्राय है–
(A) जिसकी उपमा न दी जा सके
(B) सुखद
(C) आनंदमय
(D) मनोहारी

निर्देश (प्रश्न संख्या 110 से 115 तक)

निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए :

दिशाएँ निमन्त्रण मुझे दे रही हैं,
सफलता का यह द्वार मेरे लिए है।।
न अवरोध कोई न बाधा कहीं है,
न संदेह कोई न व्यवधान कोई।
अटल एक विश्वास मन में भरा है,
नहीं पथ–डगर आज अनजान कोई।।
हृदय में कहीं कह रहा बात कोई,
धरा औ गगन सिर्फ तेरे लिए है।।
नहीं कुछ यहाँ जो मुझे रोक पाए,
न कोई यहाँ जो मुझे टोक पाए।
अजानी हवा में बहे जा रहा हूँ
मुझे आज लगता कि मैं वह नहीं हूँ।।
रही जगमगा इन्द्रधनुषी दिशाएँ,
दिगंतर मदिर रस अलौकिक पिए हैं।।

[CTET (6 to 8) (Lang. 1) 31-01-2021]

110. व्याकरण की दृष्टि से 'इन्द्रधनुषी' शब्द है—
(A) विशेषण (B) क्रियाविशेषण
(C) संज्ञा (D) सर्वनाम

111. अर्थ की दृष्टि से शेष से भिन्न शब्द को पहचानिए–
(A) व्यवधान (B) बाधा
(C) डगर (D) अवरोध

112. कविता का केन्द्रीय स्वर है–
(A) सुनसानी और अनजानापन
(B) कर्म और प्रेरणा
(C) उत्साह और आत्मविश्वास
(D) बाधाएँ और विघ्न

113. दिशाएँ कवि को क्यों बुला रही हैं ?
(A) सन्देह दूर करने के लिए
(B) सफलता प्राप्त करने के लिए
(C) कविता पाठ करने के लिए
(D) अनजान रास्तों से बचने के लिए

114. कवि को अपनी सफलता पर अटल विश्वास क्यों है ?
(A) उसे रोक-टोक करने वाला कोई नहीं है।
(B) सफलता पाना बहुत सरल है।
(C) उसे कोई रुकावट नहीं दिखाई देती।
(D) दिशाएँ उसे बुला रही हैं।

115. किस पंक्ति से प्रतीत होता है कि कवि का व्यक्तित्व बदल गया है ?
(A) नहीं कुछ यहाँ जो मुझे रोक पाए।
(B) मुझे आज लगता कि मैं वह नहीं हूँ।
(C) अटल एक विश्वास मन में भरा है।
(D) अजानी हवा में बहे जा रहा हूँ।

निर्देश (प्रश्न संख्या 115 से 121 तक)

निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिये।

वह आता–
दो टूक कलेजे के करता पछताता पथ पर आता।
पेट–पीठ दोनों मिलकर हैं एक,
चल रहा लकुटिया टेक,
मुट्ठी–भर दाने को–भूख मिटाने को
मुँह फटी पुरानी झोली को फैलाता–
दो टूक कलेजे के करता पछताता पथ पर आता।

[CTET (6 to 8) (Lang. 1) 08-12-2019]

116. 'कलेजे को दो टूक करना' का आशय है–
(A) मन को कष्ट पहुँचाना।
(B) दिल की चीर–फाड़ करना।
(C) कठिनाई पैदा करना
(D) टुकड़े–टुकड़े करना।

117. भिखारी अपनी झोली क्यों फैलाता है ?
(A) झोली में कुछ छिपाना चाहता है।
(B) मुट्ठी–भर अनाज दिखाना चाहता है।
(C) अपनी गरीबी के बारे में बताना चाहता है।
(D) भूख मिटाने के लिए कुछ अन्न चाहता है।

118. 'मुँह' शब्द में प्रयुक्त चंद्रबिंदु है–
(A) अनुनासिक (B) नासिक्य
(C) शिरोरेखा (D) अनुस्वार

119. काव्यांश से हमारे मन में उठने वाला मुख्य भाव है–
(A) हास्य (B) करुणा
(C) वीरता (D) श्रृंगार

120. 'वह आता' में 'वह' सर्वनाम किसका द्योतक हो सकता है ?
(A) अतिथि (B) भिक्षुक
(C) विकलांग (D) गांधीजी

121. 'पेट–पीठ दोनों मिलकर हैं एक' इसका कारण क्या हो सकता है ?
(A) झुककर चलना।
(B) कुछ भी भोजन न करना ।
(C) भीख माँगने का नाटक करना ।
(D) सिकुड़कर बैठना।

निर्देश (प्रश्न संख्या 122 से 127 तक)

निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के **सबसे उचित** उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए।

गरजते घन घनन–घन–घन,
नाचता है मोर–सा मन,
ऐसी पड़ी झर–झर झड़ी–
भीगा बदन बेसुध है मन।
आज वर्षा अजब आई!
बह रही है मस्त पुरवाई,
नदी है द्वार तक आई,
मेघों से लिपटकर सो गया सूरज–
ले रहे हैं खेत अँगड़ाई।
आज वर्षा गजब आई!

[CTET (6 to 8) (Lang. 1) Sept., 2015]

122. 'पुरवाई, से आशय है–
(A) पूर्व को बहने वाली नदी
(B) पूर्व की ओर बहने वाली पवन
(C) मदमस्त करने वाली हवा
(D) पूर्व से आने वाली वायु

123. 'बेसुध है मन' कहकर कवि बताना चाहता है कि मन–
(A) मस्त हो जाता है।
(B) गाने लगता है।
(C) झूमने लगता है।
(D) पानी से भीग जाता है।

124. खेत अँगड़ाइयाँ ले रहे हैं क्योंकि–
(A) सूर्य के सो जाने से उन्हें भी नींद आ रही है।
(B) सुबह हो गई, वे नींद से जाग रहे हैं।
(C) उन्हें बहुत आनंद आ रहा है।
(D) सूर्य दिखाई नहीं दे रहा है।

125. 'गरजते घन घनन–घन–घन' — में अलंकार है–
(A) अनुप्रास (B) रूपक
(C) श्लेष (D) उपमा

126. मन की उपमा किससे दी गई है?
(A) वर्षा से (B) मोर से
(C) सावन से (D) बादलों से

127. 'लिपटकर सो गया सूरज' का भाव है कि सूर्य–
(A) खो गया है। (B) थक गया है।
(C) छिप गया है। (D) नींद में है।

निर्देश (प्रश्न संख्या 128 से 133 तक)

कविता की पंक्तियाँ पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों में **सबसे उचित** विकल्प चुनिए–

एक ही दीया, स्नेह से भरा,
प्रेम का प्रकाश, प्रेम से धरा,
झिलमिला हवा को तिलमिला रहा
ज्योति का निशान जो हिला रहा

मुस्करा रहा है अंधकार पर!
यह मजार है किसी शहीद का,
दर्शनीय था जो चाँद ईद का,
देश का सपूत था, गुमान था
सत्य का स्वरूप नौजवान था
जो चला किया सदा दुधार पर!

[CTET (6 to 8) (Lang. 1) 21-09-2014]

128. हवा क्यों तिलमिला रही है?
(A) दीये के चलने से
(B) दीये के निरन्तर जलने से
(C) दीये के स्नेह से
(D) अंधकार होने से

129. ईद का चाँद किसे कहा गया है?
(A) मज़ार को
(B) दर्शनीय–स्थल को
(C) शहीद को
(D) नौजवानों को

130. शहीद की कौन–सी विशेषता बताई गई है?
(A) वह सच्चा इंसान था
(B) वह तलवारबाजी में निपुण था
(C) ईद के दिन पैदा हुआ था
(D) उसे अपने ऊपर बहुत घमण्ड था

131. कविता में 'अंधकार' शब्द से आशय है–
(A) तम (B) रात्रि
(C) बुराइयाँ (D) चुनौतियाँ

132. 'दर्शनीय' शब्द में प्रत्यय है–
(A) ईय (B) नीय
(C) ई (D) य

133. 'हवा' का पर्यायवाची शब्द नहीं है–
(A) अनिल (B) मारुत
(C) समीर (D) अनल

निर्देश (प्रश्न संख्या 134 से 139 तक)

नीचे दी गई पंक्तियों को पढ़कर सबसे उचित विकल्प का चयन कीजिए :

दम्भ का जहाँ–जहाँ पड़ाव था,
सत्य से जहाँ–जहाँ दुराव था,
वह चला कि अग्नि–बाण मारता
पाप की अहा–अहा उजाड़ता,
वज्र बन गिरा गिरे विचार पर!

[CTET (6 to 8) (Lang. 1) 28-07-2013]

134. 'गिरे विचार' से तात्पर्य है–
(A) सभी प्रकार के विचार
(B) मिथ्या विचार
(C) सत्य और हित से परे विचार
(D) उलझे विचार

135. नौजवान शहीद ने अग्नि–बाण इसलिए चलाए क्योंकि वह–
(A) अपना साम्राज्य स्थापित करना चाहता था।
(B) सुराज स्थापित करना चाहता था।
(C) वज्र गिराना चाहता था।
(D) अपनी शक्ति की गरिमा बनाए रखना चाहता था।

136. 'दुराव' शब्द से तात्पर्य है–
(A) दुर्गम स्थल (B) आवरण
(C) काठिन्य (D) बैर

137. 'जहाँ–जहाँ' शब्द है–
(A) एकार्थी शब्द–युग्म
(B) पुनरुक्त शब्द–युग्म
(C) विपरीतार्थक शब्द–युग्म
(D) भिन्नार्थी शब्द–युग्म

138. 'पाप' का विलोम शब्द है–
(A) प्रायश्चित्त (B) अपाप
(C) पुण्य (D) निरपराध

139. नौजवान शहीद ने किसे नष्ट किया?
(A) अहंकार को
(B) असत्य को
(C) अहंकार और सत्य को
(D) अहंकार और असत्य को

निर्देश (प्रश्न संख्या 140 से 145 तक)

कविता की पंक्तियाँ पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के **सबसे उचित** विकल्प चुनिए।

जग–जीवन में जो चिर महान,
सौंदर्य पूर्ण औ सत्यप्राण,
मैं उसका प्रेमी बनूँ नाथ!
जिससे मानव–हित हो समान!
जिससे जीवन में मिले शक्ति
छूटे भय–संशय, अंध–भक्ति
मैं वह प्रकाश बन सकूँ नाथ!
मिल जावे जिसमें अखिल व्यक्ति!

सुमित्रानंदन पंत

[CTET (6 to 8) (Lang. 1) 26-06-2011]

140. कवि ने 'चिर महान' किसे कहा है?
(A) ईश्वर को
(B) जो सत्य और सुंदर से संपूर्ण हो
(C) शक्ति को
(D) मानव को

141. कवि कैसा प्रकाश बनना चाहता है?
(A) अंधकार दूर हो जाए
(B) जो जीने की शक्ति देता है
(C) जिसमें मनुष्य सभी भेदभाव भुलाकर एक हो जाते हैं
(D) जिससे सब तरफ उजाला हो जाए

142. कवि ने 'अखिल व्यक्ति' का प्रयोग क्यों किया है?
(A) कवि अमीर लोगों की बात करना चाहता है
(B) कवि भारत के व्यक्तियों की ओर संकेत करना चाहता है
(C) कवि सांसारिक बात करना चाहता है
(D) कवि समस्त विश्व के व्यक्तियों की बात करना चाहता है

143. कविता के किस अंश में तर्कहीन आस्था का उल्लेख हुआ है?
(A) मिट जावें जिसमें अखिल व्यक्ति!
(B) मैं वह प्रकाश बन सकूँ, नाथ!
(C) जिससे मानव–हित हो समान!
(D) छूटे भय–संशय, अंध–भक्ति,

144. कवि ने कविता की पंक्तियों के अंत में विस्मयादिबोधक चिह्न का प्रयोग क्यों किया है?
(A) कवि अपनी इच्छा प्रकट कर रहा है
(B) इससे कविता का सौंदर्य बढ़ता है
(C) पूर्ण विराम की लीक से हटने के लिए
(D) कविता को तुकांत बनाने के लिए

145. कविता का मूल भाव क्या है?
(A) अमर दान की प्राप्ति
(B) विश्व–परिवार की भावना
(C) सत्य की प्राप्ति
(D) कल्याण

व्याख्यात्मक हल

1. (C) उपर्युक्त पद्यांश के अनुसार दुनिया सह्य नहीं है। शेष विकल्प असंगत हैं।

2. (B) दुनिया को असह्य दु:खों के कारण कहा गया है। शेष विकल्प असंगत हैं।

3. (D) उपर्युक्त पद्यांश के अनुसार दुनिया के सच, सुन्दर और असह्य होने की बात नानी ने नातिन से कहीं। शेष विकल्प असंगत हैं।

4. (A) हर्ष–विषाद शब्दों के माध्यम से दुनिया के सुख-दुखों की ओर संकेत किया गया है। शेष विकल्प असंगत हैं।

5. (C) टुकुर-टुकुर शब्द पुनरुक्त शब्द-युग्म का उदाहरण है। जब किसी शब्द की एक साथ दो बार आवृत्ति होती है अर्थात् वही शब्द या उससे मिलता–जुलता (प्रति-ध्वन्यात्मक या विलोम) शब्द एक साथ आस–पास आते हैं तो ऐसे शब्द को पुनरुक्त शब्द कहते हैं।

6. (B) 'सच' का विलोम शब्द 'झूठ' होता है। एक–दूसरे के विपरीत या उल्टा अर्थ देने वाले शब्दों को, विलोम शब्द कहते हैं। अर्थात् जो शब्द किसी दूसरे शब्द का उल्टा अर्थ बताते हैं, उन्हें विलोम शब्द या विपरीतार्थक शब्द या विरुद्धार्थी शब्द कहते हैं। जैसे–हार-जीत, आय-व्यय, आजादी-गुलामी, नवीन-प्राचीन आदि।

7. (C) उपर्युक्त काव्यांश में बसंत और वर्षा ऋतु की बात की गयी है।

8. (C) उपर्युक्त काव्यांश के 'डोलती सुरभि राजा-घर कोने-कोने' पंक्ति से पता चलता है कि बसंत ऋतु में चारों ओर सुगंध व्याप्त है।

9. (C) उपर्युक्त पद्यांश 'दृगों में पानी' दृगों का अर्थ नेत्र है। ऋतुओं की रानी वर्षा के दृग 'मेघ' हो सकते हैं।

10. (D) उपर्युक्त पद्यांश में बसंत ऋतु में फूलों का खिलना संभव नहीं होगा, यदि सींचों न धरा यदि तुम आँसू के जल से।

11. (A) 'कुसुम' के पर्यायवाची हैं– सुमन, प्रसून, पुष्प, कुसुम, पुहुप।

12. (A) 'राजा अबोध खेलें कचनार-कमल से।' पंक्ति से कवि का आशय है कि 'चारों ओर नाना प्रकार के फूलों की छटा व्याप्त है।'

13. (A) निम्न गद्यांश के अनुसार विचारों और हिसाब-किताब के लेखन के साथ मानव को सभ्य कहा जाने लगा। मानव ने जब से शब्दों की खोज कर उसे लिखना प्रारम्भ किया, तब से इतिहास को समझने की पहल आरम्भ हुयी।

14. (A) उपयुक्त गद्यांश के अनुसार विचारों को लिखने के कारण ही एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी का ज्ञान सम्भव हुआ है।

15. (A) उपयुक्त गद्यांश के अनुसार इतिहास के पहले काल को प्रागैतिहासिक काल कहा गया है। इसके द्वारा हमें इतिहास के बारे में जानकारी प्राप्त होती है।

16. (C) उपयुक्त गद्यांश के अनुसार अक्षरों और लिपियों का इतिहास 6000 वर्ष पुराना है।

17. (B) उपयुक्त गद्यांश के अनुसार इत्यादि का सन्धि विच्छेद इति + आदि होगा। इसमें यण सन्धि है। जो कि स्वर सन्धि का भाग है। स्वर सन्धि के सामान्यतः पाँच भेद होते हैं–

(1) दीर्घ सन्धि
(2) गुण सन्धि
(3) वृद्धि सन्धि
(4) अयादि सन्धि
(5) यण सन्धि।

18. (B) उपयुक्त गद्यांश के अनुसार अक्षर मनुष्य की सबसे बड़ी खोज है इसकी खोज करने बाद ही मनुष्य अपने विचारों को लिखने व प्रकट करने लगा। इसी प्रकार एक पीढ़ी के ज्ञान का प्रयोग दूसरी पीढ़ी में जाने लगा।

19. (C) उपयुक्त गद्यांश के अनुसार इतिहास की जानकारी नहीं मिलती यदि अक्षरों का विकास न हुआ होता। क्योंकि इतिहास के द्वारा ही हमें पता चलता है कि कौन-सी घटना कब घटित हुई।

20. (B) प्रस्तुत पद्यांश में जो कविता कवि द्वारा कही गयी है वह दीपक को सम्बोधित है।

21. (D) उपर्युक्त पंक्ति में अनुप्रास-उपमा अलंकार है।

अनुप्रास– जहाँ एक वर्ण की आवृत्ति बार–बार हो

उदाहरण–"तरनि तनूजा तट तमाल तरुवर बहु छाए।

उपमा–जहाँ किसी व्यक्ति या वस्तु की किसी अन्य व्यक्ति या वस्तु से समान गुणधर्म स्वरूप आदि के आधार पर तुलना की जाती है, वहाँ उपमा अलंकार होता है।

उदाहरण–"राधा के चरण गुलाब के समान कोमल हैं।"

22. (D) प्रस्तुत पद्यांश में कवि ने अंधकार में सूर्य को विश्राम करने देने का आग्रह नहीं किया है।

23. (B) 'नन्हे–नन्हे दीप !' पद में सम्बोधन कारक है।

संज्ञा के जिस रूप से किसी को पुकारने, चेतावनी देने या सम्बोधित करने का बोध होता है, उसे सम्बोधन कारक कहते हैं।

सम्बोधन कारक का चिह्न–अरे ! हो ! अजी ! है।

24. (B) 'अँधियारा और अंधकार' शब्द परस्पर समानार्थी शब्द हैं।

समानार्थी शब्द–जिस शब्द का अर्थ समान हो या एक ही वस्तु के अलग–अलग नाम होते हैं, उसे समानार्थी शब्द कहते हैं।

उदाहरण–बाग–वाटिका, कथा–कहानी।

25. (B) प्रस्तुत काव्य की पंक्ति में कवि ने कहा है कि 'बहुत कठिन चाहे लगता हो' को कठिनाइयों में भी हँसते रहना काम के लिये कहा है।

26. (B) उपर्युक्त कविता 'नवयुवकों' को संबोधित है। इसका आशय निम्न पंक्तियों द्वारा स्पष्ट होता है–

तू भुजा में नित अमित बल–शक्ति ले,
और संशयहीन चिंतन ले सबल।
बढ़ अरे ओ देश के प्यारे तरूण,
सिंह-सम पाषाण सीना तानकर।।

27. (B) सही मिलान–

- वाणी – उत्साह
- भुजा – शक्ति
- चिंतन – सबल
- आँख – चमक

28. (C) युवकों को सिंह के समान आगे बढ़ने को कहा गया है, क्योंकि सिंह निडर होकर आक्रमण करता है।

29. (B) 'पार्थ के सम आँख के प्रतिबिंब से' अर्जुन द्वारा मछली की आँख में तीर मारना, पौराणिक कथा की ओर संकेत करता है। ताकि युवकों को भी केवल अपना लक्ष्य दिखायी दे। इस उद्देश्य से इस कथा का उपर्युक्त गद्यांश में वर्णन किया गया है

30. (C) 'तोड़ दे ये लौह–पट तू आनकर'

'लौह–पट' का भावार्थ 'कठोर बाधाएँ' होगा जिसको कवि लक्ष्य प्राप्ति हेतु पार करने के लिए कहता है।

31. (D) उपर्युक्त पद्यांश में नए युग के युवक की विशेषता 'वह नई शक्ति से सम्पन्न है' बताई गई है।

32. (C) उपयुक्त पद्यांश के अनुसार ताड़ के पत्तों पर बारिश की बूँदें पड़ रही हैं।

33. (A) कवि ने बरसते बादल का चित्रण किया है।

"पंखों सेरे फैले-फैले ताड़ों के दल
लम्बी-लम्बी अँगुलियाँ हैं चौड़े करतल"

34. (C) उपयुक्त पद्यांश के अनुसार "खगकुल गाते मंगलै पंक्ति में पक्षियों के आनन्दित होकर गीत गाने का वर्णन किया गया है।

जैसे–वैसे बारिश होती है वैसे-वैसे पशु एवं पक्षी आनन्दित होकर चहचाते हुए गीत गाते हैं।

35. (A) उपयुक्त पद्यांश के अनुसार नीम आनन्दित होकर झूम रहा है। पक्षी गीत गा रहे हैं। क्योंकि बारिस हो रही है।

36. (D) उपयुक्त पद्यांश के अनुसार तड़-तड़ में पुनरुक्त शब्द का प्रयोग किया गया है।

पुनरुक्त शब्द ऐसे शब्द हैं, जिसकी बार-बार आवृति होती है।

37. (A) उपयुक्त पद्यांश के अनुसार संज्ञा का उदा. हरण बारिश है।

"संज्ञा" वे शब्द हैं जो किसी वस्तु, स्थान, व्यक्ति, आदि के नाम का बोध कराते हैं।

जैसे–मोहन, आगरा।

38. (A) उपर्युक्त पद्यांश में दृढ़ निश्चयात्मकता कवि का मुख्य भाव प्रदर्शन है तथा दृढ़ निश्चयात्मकता ही इस पद्यांश का मुख्य शीर्षक है।

39. (B) उपयुक्त पद्यांश में सँभलना कवि के अनुसार सबसे जरूरी बात है। क्योंकि कवि का मानना है, कि व्यक्ति को हमेशा परिस्थितयों का मुकाबला करते हुए संभलकर अपनी योजना तैयार करनी चाहिए।

40. (A) उपयुक्त पद्यांश के अनुसार अँधेरा कठिनाइयों का प्रतीक माना गया है।

41. (B) उपर्युक्त पद्यांश के अनुसार चिन्तित, चिंता का विशेषण है। विशेषण ऐसे शब्द हैं जो संज्ञा एवं सर्वनाम की विशेषताओं का वर्णन करते हैं।

42. (D) उपर्युक्त पद्यांश के अनुसार गिरना निम्न में से भिन्न शब्द माना गया है।

43. (A) उपयुक्त पद्यांश के अनुसार अन्त तक चलने का तात्पर्य लक्ष्य प्राप्ति तक चलने को माना गया है।

44. (B) कवि के अनुसार सर्वाधिक महत्वपूर्ण ज्ञान होता है। क्योंकि ज्ञान के द्वारा व्यक्ति का व्यक्तित्व एवं इसकी योग्यताओं का विकास

होता है। ज्ञान हमेशा अन्धकार को दूर करने का काम करता है।

45. (B) झूठ पुस्तकों एवं गीतों में फैला हुआ है। क्योंकि आधुनिक समय में बालक पुस्तकों को साधन न समझते हुए साध्य समझ रहा है और उसका चिन्तन एक पाठ्य-पुस्तक तक ही सीमित रह गया है।

46. (D) कल्पनातीत का आशय 'कल्पना से परे' होता है। अर्थात् किसी तथ्य/वस्तु पर अपने विचार प्रस्तुत न कर पाना। इसमें तर्क का अभाव होता है। कल्पना में वस्तु को रूप प्रदान करते हैं।

47. (A) सत्य एवं ज्ञान से 'समय एवं भविष्य' का बोध होता है। सत्य बोलने वाले एवं ज्ञानी व्यक्ति हमेशा समय का पालन करते हैं। जिससे वे अपने भविष्य की योजनाएँ निर्धारित कर सकें।

48. (D) समय में इक प्रत्यय जोड़ने पर सामयिक शब्द बनेगा। प्रत्यय वे शब्द होते हैं जो दूसरे शब्दों के अन्त में जुड़कर अपनी प्रकृति के अनुसार शब्द के अर्थ में परिवर्तन कर देते हैं, जैसे—श्यामल = श्याम + ल।

49. (C) उपसर्ग का प्रयोग निम्न शब्दों में से 'असत्य' शब्द में हुआ है।
उपसर्ग "वे शब्द होते हैं", जो दूसरे शब्दों के प्रारम्भ में जुड़कर अपनी प्रकृति के अनुसार शब्द के अर्थ में परिवर्तन करते हैं।

50. (B) प्रस्तुत कविता आशा के प्रति संबोधित है। अतः विकल्प (B) सही है।

51. (C) प्रस्तुत पद्यांश में कवि ने आशा को इसलिए धन्य कहा है, क्योंकि आशा का सहारा सबसे बड़ा सहारा होता है।

52. (B) प्रस्तुत पद्यांश में बताया गया है, कि निराशा की निशा अभी बीती नहीं है, अभी तक है। अतः विकल्प (B) सही है।

53. (D) प्रस्तुत पद्यांश में कवि ने आशा के सहारे धरती का अस्तित्व बने रहने की बात की हैं। अतः विकल्प (D) सही है।

54. (C) 'निराशा' शब्द में 'निर्' उपसर्ग तथा 'आशा' मूल शब्द है। निर् + आशा = निराशा। 'निर्' का अर्थ है–निषेध, बाहर।

55. (D) 'प्राची' का अर्थ 'पूरब' होता है, अर्थात् सूर्य के निकलने की दिशा। अतः विकल्प (D) सही है।

56. (D) प्रस्तुत कविता में बार–बार स्थानांतरण होने की पीड़ा को स्वर प्रमुखता से सुना जा सकता है। अतः विकल्प (D) सही है।

57. (C) प्रस्तुत कविता में प्रतिदिन पत्र लिखने की आदत की बात कही गई है। क्योंकि कवि को प्रतिदिन पत्र लिखने की आदत थी। अतः विकल्प (C) सही है।

58. (B) दिए गए शब्द कुछ–कुछ पुनरुक्त शब्द युग्म है। वाक्य में शब्दों की पुनरावृत्ति हो, उन्हें पुनरुक्ति शब्द कहते हैं।

59. (C) प्रस्तुत कविता में कवि कहता है कि आदतों को बदल देना इसलिए कठिन है क्योंकि आदतें व्यक्तित्व का अभिन्न हिस्सा होती हैं। अर्थात् बढ़ती उम्र में आदतों का बदलना संभव नहीं होता है।

60. (B) प्रस्तुत कविता में बताया गया है कि कवि के दोस्त जम्मू की किसी कालोनी में रहते थे। अतः विकल्प (B) सही है।

61. (B) प्रस्तुत कविता के अनुसार बुरी तरह भीगा हुआ से तात्पर्य है कि चिट्ठी में विस्थापन का दर्द लिखा था। अतः विकल्प (B) सही है।

62. (A) प्रस्तुत कविता में व्यक्त भाव एकता और आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। पद्यांश में कवि कहता है कि चाहे कितनी भी बाधाएँ आयें, अंगारे बरसें, फिर भी एक साथ कदम से कदम मिलाकर चलना है।

63. (C) विकल्प (C) में दिया गया शब्द 'वीरानों' जीवन में आने वाली कठिनाइयों की ओर संकेत वाला शब्द नहीं है। वीरानों का अर्थ है—निर्जन, उजड़ा हुआ, तबाह।

64. (C) प्रस्तुत कविता में दी गई पंक्ति 'पीड़ाओं में पलना होगा' का भाव यह है कि हमें समस्याओं में भी निरंतर कार्य करना होगा। चाहे तूफान आए, बलिदान देना पड़े फिर भी हमें अपना कार्य करते रहना है।

65. (A) समस्थिति में रहने की प्रेरणा देने वाला अंश है-अपमानों में, सम्मानों में। कवि कहता है कि मनुष्य के जीवन में अपमान-सम्मान, सुख-दुख, हार-जीत आते रहते हैं, हमें जीवन की कठिनाइयों से घबराना नहीं है। कदम से कदम मिलाकर चलते जाना है। अंत में सफलता अवश्य प्राप्त होती है।

66. (D) दिए गए पद्यांश के आधार पर कहा जा सकता हैं कि कठिनाइयाँ जीवन का हिस्सा है फिर भी मिलकर काम करना होगा। कवि कहता है कि मुसीबतों से घबराए बिना अपने अरमानों को दिल में संजोकर रखना चाहिए। एक दिन सफलता अवश्य प्राप्त होती है।

67. (B) प्रस्तुत पद्यांश के आधार पर 'ज्वालाएँ' शब्द का अर्थ है-विपत्तियाँ'। अतः विकल्प (B) सही है।

68. (D) दिए गए पद्यांश के अनुसार प्राकृतिक सौन्दर्य को देखकर रचनाकार को प्रभु की याद आती है।

69. (B) प्रस्तुत पद्यांश में प्रकृति की लीला के अन्तर्गत ओस के गिरने का उल्लेख नहीं किया गया है। अतः विकल्प (B) सही है।

70. (C) प्रस्तुत पद्यांश के अनुसार, चिड़ियाँ सुबह-सुबह उठकर खुशी के गीत गा रही हैं। अतः विकल्प (C) सही है।

71. (A) प्रस्तुत पद्यांश के अनुसार ठंड़ी हवाएँ अपने साथ मस्ती तथा उल्लास लेकर आती हैं। जिससे सुबह मनोरम बन जाती है।

72. (C) विकल्प (C) में दी गई पंक्ति कलियाँ दरवाजे 'खोल-खोल' में मानवीकरण अलंकार है। जब निर्जीव पदार्थों पर मानवीय क्रियाओं का आरोप लगाया जाता है, वहाँ मानवीकरण अलंकार होता है।

73. (B) प्रस्तुत पद्यांश में सुबह की सुन्दरता का वर्णन किया गया है और प्रकृति के इस सौन्दर्य को देखकर रचनाकार चमत्कृत है।

74. (D) प्रस्तुत पद्यांश के अनुसार व्योम से चुपचाप संध्या उतर रही है। इस पद्यांश में संध्या को एक आकर्षक युवती के रूप मं मौन मंथर गति से पृथ्वी पर पदार्पण करते हुए दिखाया गया है।

75. (D) प्रस्तुत पद्यांश के अनुसार संध्या सुन्दरी के केश सुनहले हैं। कवि कहता है कि उस सुन्दर युवती के केश सुनहरे रंग के दिखाई पड़ रहे हैं।

76. (B) उपयुक्त पंक्ति में 'तुम' मध्यम पुरुष सर्वनाम है। वक्ता या लेखक के लिए किए जाने वाले कथन हेतु जिन सर्वनामों का प्रयोग किया जाता है, उन्हें मध्यम पुरुष वाचक सर्वनाम कहते हैं। जैसे—तू, तुम्हारा, तेरा, तुम आदि।

77. (D) 'मधुर, मन्थर, मौन' ये विशेषण शब्द रूपसि के लिए प्रयोग किए गए हैं प्रस्तुत पद्यांश में उस आकर्षक युवती अर्थात् संध्या का मौन, मन्थर गति से पृथ्वी पर उतरने का वर्णन है।

78. (C) 'तिर्यक्' का अर्थ 'टेढ़ी' होगा। तिर्यक के अन्य अर्थ हैं—
आड़ा, वक्र, तिरछा आदि।

79. (A) प्रस्तुत पद्यांश के अनुसार 'नयन' का सही विशेषण मुकुलित होगा। मुकिलित का अर्थ है—अधखुला (नेत्र)

80. (B) तत्पुरुष समास में कारक चिह्नों का प्रयोग किया जाता है। नगपति = नगों (पर्वतों) का पति –तत्पुरुष। यहाँ 'का' कारक विलुप्त है।

81. (B) पौरुष के पुंजीभूत ज्वाल पंक्ति में कहा गया है कि हिमालय शक्ति की ज्वालाओं का ढेर है

82. (D) 'जिसे जीता न जा सके' उसके लिए कविता में अजेय शब्द प्रयुक्त हुआ है।

83. (B) विसर्ग संधि में, विसर्ग के बाद श, ष, स होने पर या तो विसर्ग यथावत रहता है या अपने से आगे वाला वर्ण हो जाता है। निः+सीम = निस्सीम।

84. (B) हिमालय को 'यतिवर'! कहकर संबोधित किया गया है, क्योंकि वह समाधि में लीन है।

85. (A) 'हिमकिरीट' का अर्थ बर्फ का मुकुट से है।

86. (A) कविता की दी गई पंक्तियों में यात्रा के दौरान उत्पन्न होने वाली विभिन्न प्रकार की अनिश्चितताओं का वर्णन किया है तथा इसके साथ सतत आगे बढ़ते रहने का संदेश दिया है।

87. (A) कविता में उल्लिखित 'सुमन' और 'कंटक' सुख और दु:ख के प्रतीक हैं। मनुष्य के जीवन में दु:ख और आनन्द के कई क्षण आते हैं, जिनसे मानव के जीवन में प्रगतिशीलता और धैर्य के साथ आगे बढ़ने की क्षमता का विकास होता है।

88. (B) प्रस्तुत कविता में कवि कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी विचलित न होने तथा सतत रूप से आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा दे रहा है। लक्ष्य निर्धारण के पश्चात लक्ष्य प्राप्ति हेतु दृढ़ प्रतिज्ञ होकर आगे बढ़ना ही मनुष्यता को प्रतिष्ठित करता है। (आ पड़े. ....कर ले।)

89. (C) इस विराट जीवन यात्रा में कुछ भी निश्चित नहीं है। जीवन के किस मोड़ पर कैसी परिस्थितियाँ आ जायें, इसके लिए तैयार रहते हुए कविता में सार्थक जीवन निर्माण पर बल दिया गया है।

90. (B) दिये गये शब्दों में 'सरित' का समानार्थी शब्द 'प्रवाह' नहीं है। अन्य तीन शब्द सरित के पर्यायवाची हैं।

91. (B) 'अनिश्चित' शब्द के साथ 'ता' प्रत्यय लगाया जा सकता है। इससे निर्मित शब्द होगा–अनिश्चितता।

92. (D) उक्त पद्यांश द्वारा यह स्पष्ट है कि चींटियाँ आपस में बातचीत संकेतों के माध्यम से करती हैं।

93. (A) ईर्ष्यालु शब्द का प्रयोग ''दूसरों से जलने वाला'' अर्थ में होता है।

94. (A) चींटियों के स्वभाव में ईर्ष्या करना नहीं है। ईर्ष्या तो विशेषतः मानवीय समाज की ही एक बुराई है।

95. (A) बिखरी हुई चींटियाँ अपने पूर्वजों की गंध से एकजुट हो जाती हैं।

96. (D) मित्र और शत्रु के चेहरे चींटियों की स्मृति में रहते हैं।

97. (B) काव्यांश में दिया गया 'मगर' का अर्थ है–'परन्तु'।

98. (A) प्रस्तुत काव्य पंक्तियों में ऐसे व्यक्तित्व का वर्णन किया गया है जो स्वाभिमानी, साहसी और निर्भीक हैं तथा झुककर समझौता करना स्वीकार नहीं करते।

99. (C) व्यक्ति की दृष्टि दूरदर्शिता युक्त होनी चाहिए। छोटी सोच कदापि नहीं रखनी चाहिए।

100. (B) ऊँचे–ऊँचे सपनों को निमंत्रण देने का भाव है–उच्च कोटि के स्वप्न देखना और उन्हें साकार करने का प्रयास करना।

101. (C) तम शब्द अंधेरा (अंधकार) का पयार्यवाची है।

102. (A) ''नहीं झुका करते जो दुनिया से'' का आशय है– विषम परिस्थितियों और अन्याय के सामने नहीं झुकते हैं।

103. (C) सीधी रीढ़ का आशय होता है–स्वाभिमानी और स्वावलम्बी होना।

104. (A) 'हरा–भरा जीवन' का अर्थ है खुशहाल जीवन अर्थात् खुशियों से परिपूर्ण जीवन।

105. (D) समस्त प्राकृतिक उपादान, जैसे–नदियाँ, पर्वत, हवा, पेड़ आदि बहार लेकर आती हैं।

106. (D) कवि ने सृष्टि का उपहार प्राकृतिक सुन्दरता और उससे उत्पन्न होने वाली खुशी को कहा है।

107. (C) कवि यह संदेश देना चाहता है कि पर्यावरण–संरक्षण में ही जीवन सम्भव है।

108. (B) दी गई पंक्ति 'जग से तुम और तुम से है प्यारा संसार' के माध्यम से कवि कहना चाहता है कि 'व्यक्ति और संसार'–दोनों का अस्तित्व एक–दूसरे पर निर्भर करता है।

109. (A) जिसकी उपमा न दी जा सके उसे 'अनुपम' कहते हैं।

110. (A) व्याकरण की दृष्टि से 'इंद्रधनुषी' शब्द 'विशेषण' है जो व्यक्तिवाचक संज्ञा 'इंद्रधनुष' से बना है। इंद्रधनुष का अर्थ होगा– वर्षा के पश्चात् आसमान में दिखाई देने वाला लाल, नारंगी, पीला, हरा, नीला, आसमानी तथा बैंगनी रंगों वाला एक विशाल धनुष जैसा आकार। अतः विकल्प (A) सही है।

111. (C) अर्थ की दृष्टि से भिन्न शब्द 'डगर' है। डगर का अर्थ होगा– मार्ग या रास्ता। अन्य तीनों विकल्पों का अर्थ होगा– 'अड़चन'। अतः विकल्प (C) सही है।

112. (C) प्रस्तुत कविता का केन्द्रीय स्वर है– 'उत्साह और आत्मविश्वास'। अतः विकल्प (C) सही है।

113. (B) प्रस्तुत कविता के अनुसार दिशाएँ कवि को सफलता प्राप्त करने के लिए बुला रही हैं। अतः विकल्प (B) सही है।

114. (C) प्रस्तुत कविता के अनुसार कवि को अपनी सफलता पर अटल विश्वास इसलिए है क्योंकि उसे कोई रोकटोक दिखायी नहीं देती है। अतः विकल्प (C) सही है।

115. (B) प्रस्तुत पंक्ति 'मुझे आज लगता कि मैं वह नहीं हूँ।' से प्रतीत होता है कि कवि का व्यक्तित्व बदल गया है। अतः विकल्प (B) सही है।

116. (A) कलेजे को दो टूक करने का अर्थ मन को कष्ट पहुँचाना है, वाक्य का प्रयोग इस प्रकार दृष्टव्य है ''टीम में चयन'' न होने के कारण उसका कलेजा दो टूक हो गया।

117. (D) भिखारी अपनी झोली में भूख मिटाने के लिए कुछ अन्न चाहता था, क्योंकि वह कई दिन से भूखा था।

118. (A) 'मुँह' शब्द में प्रयुक्त चंद्र बिन्दु' अनुनासिक है। जिन स्वरों के उच्चारण में मुख के साथ–साथ नासिका की भी सहायता लेनी पड़ती वे अनुनासिक स्वर होते हैं इनका चिह्न चन्द्र बिन्दु (ँ) है।

119. (B) काव्यांश से हमारे मन में उठने वाला भाव 'करुणा' का है जो उस 'भिखारी' की दयनीय दशा को इंगित करता है।

120. (B) 'वह' सर्वनाम भिक्षुक के लिए प्रयुक्त हुआ है तथा पूर्व पद्यांश में 'वह' (भिखारी) को ही वर्णित किया गया है।

121. (B) पेटू–पीठ दोनों मिलने का अर्थ यहाँ है कुछ भी भोजन न करना तथा भिखारी की दशा को भी दर्शाता है कि कुछ खाना न मिलने के कारण उसका पेठ, पीठ के समान समतल हो गया है।

122. (D) पुरवाई से आशय, वह हवा जो पूर्व दिशा की ओर से आती है।

123. (A) काव्यांश के अनुसार, 'बेसुध है, मन' कहकर कवि बताना चाहता है 'मन मस्त हो जाता है।

124. (A) काव्यांश के अनुसार, खेत अँगड़ाइयाँ इसलिए ले रहे हैं, क्योंकि सूर्य के सो जाने से उन्हें नींद आ रही है।

125. (A) प्रस्तुत पंक्ति में किसी शब्द (पान) की आवृत्ति बारम्बार हो रही है। अतः इसमें अनुप्रास अलंकार है।

126. (B) मन की उपमा काव्यांश के अनुसार मोर से दी गई है। अतः विकल्प (B) सही है।

127. (C) लिपटकर सूर्य का सो जाना का भाव है–कि सूर्य छिप गया है। अतः विकल्प (C) सही है।

128. (B) दीये के निरन्तर जलने से हवा तिलमिला रही है।

129. (C) ईद का चाँद उस शहीद के लिए है जिसकी मजार बनी हुई है।

130. (A) सत्य का स्वरूप अर्थात् सच्चा इंसान, शहीद को कहा गया है।

131. (C) प्रस्तुत कविता में आया शब्द अन्धकार, बुराइयों के लिए प्रयोग हुआ है।

132. (A) दर्शनीय = दर्शन + ईय। इस शब्द में ईय, प्रत्यय है।

133. (D) हवा के प्रमुख पर्याय हैं—अनिल, मारुत, पवन जबकि अनल, अग्नि का पर्याय है।

134. (C) गिरे विचार से तात्पर्य है—सत्य व हित से परे विचार।

135. (B) 'नौजवान शहीद ने अग्नि–बाण इसलिए चलाए, क्योंकि वह सुराज (स्व–शासन) स्थापित करना चाहता था।

136. (D) शब्द दुराव का अर्थ है—बैर या दुश्मनी।

137. (B) 'जहाँ–जहाँ', पुनरुक्त शब्द युग्म का उदाहरण है।

138. (C) शब्द 'पाप' का विलोम–पुण्य है।

139. (D) नौजवान शहीद ने अहंकार व असत्य को नष्ट किया।

140. (D) उपर्युक्त पद्यांश में कवि ने 'चिर महान्' मानव को कहा है।

141. (C) कवि ऐसा प्रकाश बनना चाहता है कि जिसमें मनुष्य सभी भेदभाव भुलाकार एक हो जाते है। अतः विकल्प (C) सही है।

142. (A) शब्द 'अखिल' का अर्थ है—सम्पूर्ण, समस्त। कवि ने 'अखिल व्यक्ति' का प्रयोग इसलिए किया है, क्योंकि वह समस्त विश्व के व्यक्तियों की बात करना चाहता है।

143. (D) कवि सुमित्रानन्द पन्त द्वारा रचित पंक्तियों में 'छूटे भय–संशय, अन्ध' भक्ति अंश में तर्कहीन आस्था का वर्णन किया गया है।

144. (A) कवि ने कविता की पंक्तियों के अन्त में विस्मयादिबोधक चिह्न का प्रयोग इसलिए किया है, क्योंकि कवि अपनी इच्छा प्रकट कर रहा है।

145. (D) उपर्युक्त पद्यांश में कवि मानव जाति के हित व उसके कल्याण की प्रार्थना की है, इसलिए कविता का मूल भाव 'कल्याण' है।

❑❑

विषय-सूची

हिन्दी भाषा	1-207
1. अपठित गद्यांश	1-35
2. अपठित पद्यांश	36-47
3. अधिगम एवं अर्जन	48-60
4. भाषा अध्यापन के सिद्धांत	61-71
5. भाषा की शिक्षण विधि	72-80
6. भाषा शिक्षण के उपागम	81-90
7. भाषा दक्षता का विकास	91-98
8. बोलने एवं सुनने की भूमिका : भाषा के कार्य	99-102
9. भाषा अधिगम में व्याकरण की भूमिका	103-115
10. भाषाई कौशलों का विकास (सुनना, बोलना, पढ़ना तथा लिखना) : हिन्दी भाषा में शिक्षण में चुनौतियाँ	116-145
11. शिक्षण अधिगम सामग्री, पाठ्य-पुस्तक, बहुमाध्यम (मल्टीमीडिया)	146-176
12. भाषा शिक्षण में मूल्यांकन एवं उपचारात्मक शिक्षण	177-201
13. बच्चों में पढ़ने-लिखने सम्बन्धी विकार	202-207